• राजनीति...

प्रतिभा का बीजेपी पर अटैक

शिमला : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा है कि बीजेपी जितना भी दुष्प्रचार कर ले उसे इसका कोई भी राजनीतिक लाभ मिलने वाला नहीं। उन्होंने बीजेपी को याद दिलाया है कि जब कर्मचारी ओपीएस की मांग को लेकर सड़को में थे, तो उस समय उनके सीएम जयराम ठाकुर ने उन्हें पेंशन लेने के लिये चुनाव लड़ने को ललकारा था। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अपने कार्यकाल में कर्मचारियों की किसी भी मांग को पूरा नही किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी के कार्यकाल में कर्मचारियों के देय भते भी नहीं दिए गए। प्रदेश सरकार पर 70 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज व 12 हजार करोड़ से अधिक की कर्मचारियों की देनदारियां प्रदेश सरकार को बीजेपी से विरासत में मिली है। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि बीजेपी प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपए देने की कांग्रेस की गारंटी का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा है कि चुनाव आयोग ने भी लाहौल स्पीति की महिलाओं को 1500 की सम्मान निधि जारी रखने को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रदेश की सभी पात्र महिलाओं को यह राशि प्रदान करने को पूरी तरह बचनबद्ध है। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार लोगों से किये अपने सभी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने जिस प्रकार प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की असफल कोशिश की अब उसे प्रदेश में लोकसभा की चारों व विधानसभा की छह सीटों पर करारी हार का मुंह देखना पड़ेगा। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह सुरक्षित है और चुनाव परिणामों के बाद ओर भी मजबूत होगी।

गिउ गांव मोबाइल नेटवर्क से जुड़ा

केलांग : चीन की सीमा से सटे हिमाचल प्रदेश में स्पीति का गिउ गांव पहली बार मोबाइल नेटवर्क से जुड़ा। पीएम ने गांव वालों से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने दिवाली में सीमावर्ती क्षेत्र की अपनी यात्रा की चर्चा की और कहा कि गांव के मोबाइल नेटवर्क से जुड़ने के बाद से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा जब वह सत्ता में आए थे तो देश के 18000 से अधिक गांवों में बिजली नहीं थी। इन गांवों में बिजली पहुंचाई गई। अब सरकार दूरदराज के इलाकों को संचार प्रौद्योगिकी से जोड़ने को प्राथमिकता दे रही है। पीएम ने कहा कि सरकार वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-वीवीपी के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है।

• संपादकीय...

विश्व पृथ्वी दिवस

पृथ्वी मनुष्यों के साथ-साथ करोड़ों तरह के जीव जंतुओं का घर है। इस विशाल दुनिया में अब तक सिर्फ पृथ्वी पर ही जीवन के प्रमाण मिले हैं। हालांकि मनुष्यों के लालच ने पृथ्वी के नेचुरल बैलेंस को बिगाड़ दिया है जिसके कारण क्लाइमेंटिक चेंज, ग्लोबल वार्मिंग और पॉल्यूशन जैसी समस्याएं आज चुनौती बन चुकी है। नेचर से हद से ज्यादा छेड़छाड़ पृथ्वी के नेचुरल बैलेंस को बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार है। ऐसे में लोगों को पृथ्वी और नेचर के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 22 अप्रैल को वर्ल्ड अर्थ डे मनाया जाता है। 1960 के दशक में, पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ रही थी। विश्वविद्यालयों में छात्र आंदोलन हो रहे थे, जो प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के बहुत दोहन के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। 22 अप्रैल 1970 को, 20 मिलियन से अधिक लोगों ने 150 देशों में पहला पृथ्वी दिवस मनाया। पृथ्वी दिवस 2024 की थीम है 'ग्रह बनाम प्लास्टिक'। यह थीम प्लास्टिक प्रदूषण के गंभीर खतरे पर प्रकाश डालती है जो हमारे ग्रह और इसके निवासियों को नुकसान पहुंचा रहा है। इस साल, पृथ्वी दिवस का लक्ष्य प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण से प्लास्टिक कचरे को हटाने के लिए जागरूकता बढ़ाना और कार्रवाई करना है। सिंगल-यूज प्लास्टिक और प्लास्टिक कचरे को रीसायकल करें। जब आप प्लास्टिक का उपयोग करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप इसे रीसायकल करें। पुनर्चक्रण प्लास्टिक कचरे की मात्रा को कम करने में मदद करता है जो लैंडफिल में समाप्त होता है। अपने दोस्तों, परिवार और समुदाय के सदस्यों से प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के बारे में बात करें। प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए कार्रवाई करने के लिए स्थानीय संगठनों या व्यवसायों का समर्थन करें। मिलकर, हम प्लास्टिक प्रदूषण को कम कर सकते हैं और हमारे ग्रह को स्वस्थ भविष्य के लिए बचा सकते हैं। दुनिया के अन्य देशों की तरह भारत में भी पर्यावरणीय स्थिति अच्छी नहीं है, जिसका असर भारत की जलवायु पर पड़ रहा है।

■ **अनल पत्रवाल**
संपादक, हिमाचल अभी अभी

कालिया की कांग्रेस में वापसी

गगरेट के पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा के बीजेपी में शामिल होने के बाद राकेश कालिया ने भाजपा को अलविदा कह दिया। राकेश कालिया गगरेट से कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी माने जा रहे हैं। ऐसे में बीजेपी के चैतन्य शर्मा से उनका मुकाबला हो सकता है और उपचुनाव जीतना चुनौती होगा।

चैतन्य शर्मा ने प्रचार को गति देते हुए हर वर्ग के साथ संपर्क साधना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर कांग्रेस गगरेट क्षेत्र में काफी दिनों से प्रत्याशियों के चयन के लिए मंथन करने में जुटी है...

● सुनैना जसवाल/ऊना

राजनीति में कब अपने पराए हो जाएं और कब पराएं अपने हो जाएं। इसका अंदाजा शायद राजनीतिक दलों को तो है, लेकिन वोट देकर जिताने वाली जनता को कदापि नहीं होता। यही कारण है कि टिकट की दौड़ में कभी पार्टी को अलविदा कह देना और कभी टिकट की हामी पर दोबारा शामिल हो जाना नेताओं की योग्यता में अंकित होता है। तीन बार के विधायक राकेश कालिया ने अब दोबारा करीब 18 माह बाद कांग्रेस का दामन थाम लिया है। हालांकि वर्ष 2022 में गगरेट क्षेत्र से टिकट कटने के बाद नाराज होकर राकेश कालिया बीजेपी में शामिल हो गए थे। जिस दिन राकेश कालिया कांग्रेस को अलविदा कहकर बीजेपी में शामिल हुए थे, उसी दिन गगरेट के कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन पत्र भरना था।

गगरेट के पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा के बीजेपी में शामिल होने के बाद राकेश कालिया ने भाजपा को अलविदा कह दिया। राकेश कालिया गगरेट से कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी माने जा रहे हैं। ऐसे में बीजेपी के चैतन्य शर्मा से उनका मुकाबला हो सकता है और उपचुनाव जीतना चुनौती होगा।

चैतन्य शर्मा ने प्रचार को गति देते हुए हर वर्ग के साथ संपर्क साधना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर कांग्रेस गगरेट क्षेत्र में काफी दिनों से प्रत्याशियों के चयन के लिए मंथन करने में जुटी है। हालांकि गगरेट में कांग्रेस पार्टी का टिकट लेने के 10 दावेदार हैं जिसमें पूर्व मंत्री कुलदीप कुमार इसमें दिग्गज व बड़े नेता होने के कारण फिलहाल दौड़ से बाहर हैं। राकेश कालिया तीन बार कांग्रेस के विधायक रह चुके हैं। पहली बार वर्ष 2003 में चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र में कालिया ने जीत दर्ज की थी। वर्ष 2007 में राकेश कालिया ने फिर से जीत हासिल की। उसके बाद पुनर्सीमांकन होने के कारण चिंतपूर्णी विधानसभा सीट आरक्षित हो गई और कांग्रेस ने राकेश कालिया को 2012 में गगरेट से चुनाव में उतारा।

राकेश ने गगरेट में भी विजयी रथ जारी रखा। वर्ष 2017 के चुनाव में राकेश कालिया बीजेपी प्रत्याशी राजेश ठाकुर से पराजित हो गए थे जिसके चलते कांग्रेस पार्टी ने वर्ष 2022 के चुनाव में उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाया। इससे नाराज होकर राकेश कालिया 25 अक्टूबर, 2022 को कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। अब करीब 18 माह कांग्रेस में वापस आए हैं। अब देखना होगा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व गगरेट में बीजेपी प्रत्याशी चैतन्य शर्मा को घेरने के लिए किसके नाम पर मुहर लगाता है।

आस्था ने चुनाव लड़ने से किया इनकार

ऊना : हिमाचल प्रदेश में जहां बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के साथ छह विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने सभी उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। वहीं कांग्रेस अभी सिर्फ शिमला और मंडी संसदीय सीटों पर ही अपने प्रत्याशी घोषित कर पाई है। दो लोकसभा सीटों के साथ-साथ छह विधानसभा के उपचुनाव को लेकर उम्मीदवारों की तलाश में जुटी हुई है। कांग्रेस पार्टी की तलाश के बीच एक नाम डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री की बेटी आस्था अग्निहोत्री का भी सामने आया था और आस्था के हमीरपुर संसदीय क्षेत्र या गगरेट विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की खूब चर्चा भी हुई। लेकिन इन सभी चर्चाओं पर खुद आस्था अग्निहोत्री ने मीडिया के सामने आकर विराम लगा दिया है।

आस्था अग्निहोत्री ने कहा कि कांग्रेस हाई कमान ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए कहा था जो कि सम्मान की बात है, लेकिन इस वक्त परिस्थितियां अलग है। उन्होंने कहा कि उनकी मां सिम्मी अग्निहोत्री के निधन को अभी दो माह ही हुए हैं, ऐसे में उन्होंने विनम्रता से चुनाव लड़ने को लेकर असमर्थता जाहिर की है। वहीं, आस्था ने गगरेट से चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि वो दो-दो विधानसभा क्षेत्रों से उनके परिवार द्वारा ही चुनाव लड़ने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों से हरोली विधानसभा से एक रिश्ता जुड़ा हुआ है और पिता मुकेश अग्निहोत्री लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। ऐसे में किसी और विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की कोई लालसा नहीं है। उन्होंने कहा कि गगरेट से किसी भी स्थानीय नेता को ही चुनाव लड़वाना चाहिए। वहीं आस्था ने पार्टी के प्रचार के लिए अपनी हामी भरते हुए कहा कि उनका परिवार कांग्रेस के साथ चट्टान की तरह साथ खड़ा है।

• एक्शन ...

हाईकोर्ट की फटकार

शिमला : प्रदेश हाईकोर्ट ने संशोधित वेतनमान के अनुसार ग्रेच्युटी की बकाया राशि जारी न करने पर उच्च शिक्षा निदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश एम एस रामचंद्र राव और न्यायाधीश ज्योत्सना रिवाल दुआ की खंडपीठ ने उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत कुमार शर्मा को नोटिस जारी कर पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अदालती आदेशों की अवमानना का मुकद्दमा चलाया जाए। कोर्ट ने प्रार्थियों को संशोधित वेतनमान के आधार पर ग्रेच्युटी जारी करने के आदेश दिए थे। 4 जनवरी 2024 को साफतौर पर हाईकोर्ट ने उच्च शिक्षा निदेशक की उपस्थिति में आदेश जारी किए थे कि 15 मार्च तक प्रार्थियों के सेवानिवृति लाभ जारी कर दिए जाए। इसके बावजूद शिक्षा विभाग ने याचिकाकर्ता गज राज ठाकुर और अन्य प्रार्थियों को संशोधित वेतनमान के आधार पर संशोधित ग्रेच्युटी की बकाया राशि जारी नहीं की। कोर्ट ने कहा कि 31 दिसंबर 2020 और 31 जनवरी 2017 को सेवानिवृत होने वाले प्रार्थियों को कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद संशोधित ग्रेच्युटी की बकाया राशि जारी नहीं की गई।

• ट्रक लुढ़का...

नाहन : कालाअंब-पांवटा साहिब नेशनल हाइवे-07 पर सेब से भरी पेटियों से लदा एक ट्रक नाहन के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गनीमत ये रही चालक सुरक्षित है, जिसने अपनी जान छलांग लगाकर बचा ली। ट्रक नंबरवाला से सेब की पेटियां लेकर देहरादून की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक नाहन के नवोदय स्कूल के पास पहुंचा, चालक ने वाहन से संतुलन खो दिया। बताया जा रहा है कि सामने से आ रहे एक वाहन को बचाते हुए ट्रक हादसे का शिकार हुआ, जो सड़क से नीचे लुढ़ककर साल के जंगल में पेड़ से जाकर रुका।